

अंतरराष्ट्रीय आदवासी दविस

स्रोत: पी.आई.बी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में स्वदेशी अधिकारों के समर्थन को बढ़ावा देने के लिये 9 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय आदवासी दविस (International Day of Indigenous Peoples) मनाया गया।

- एक अन्य घटनाक्रम में, भारतीय वजिज्ञान संस्थान (IIS), बंगलूरु को [जनजातीय अनुसंधान सूचना, शक्ति, संचार और कार्यक्रम \(TRI-ECE\)](#) के भाग के रूप में [जनजातीय छात्रों के लिये सेमीकंडक्टर निर्माण तथा लक्षण वर्णन प्रशिक्षण](#) के अंतर्गत जनजातीय छात्रों को प्रशिक्षित करने का कार्य सौंपा गया है।

अंतरराष्ट्रीय आदवासी दविस क्या है?

- **परिचय:** दिसंबर 1994 में **संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय आदवासी दविस' को मनाए जाने का संकल्प पारित किये जाने के बाद से ही प्रत्येक **9 अगस्त** को यह दविस मनाया जाता है।
 - यह दविस वर्ष 1982 में जनिवा में आयोजित आदवासी आबादी पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम की पहली बैठक को मान्यता देता है।
- **वर्ष 2024** के लिये इस दविस की थीम है: "**Protecting the Rights of Indigenous Peoples in Voluntary Isolation and Initial Contact** अर्थात् स्वैच्छिक अलगाव और प्रारंभिक संपर्क में स्वदेशी लोगों के अधिकारों का संरक्षण।"
- **वर्ष 2024 पर आदवासियों से संबंधित मुख्य तथ्य:**
 - वर्तमान में बोलिविया, ब्राज़ील, कोलंबिया, इक्वाडोर, भारत आदि में लगभग **200 आदवासी समूह स्वैच्छिक अलगाव** में रह रहे हैं।
 - अनुमान है कि **वर्ष 2024 में 90 देशों में 476 मिलियन आदवासी** रहते हैं।
 - वे **वर्ष 2024 की जनसंख्या के 6%** से भी कम हैं, लेकिन सबसे **गरीब लोगों** में कम-से-कम **15% हिस्सा** उनका है।
 - **वर्ष 2024 की अनुमानित 7,000 भाषाओं** में से अधिकांश इन्हीं के द्वारा बोली जाती हैं तथा ये **5,000 वशिष्ट संस्कृतियों** का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत में आदवासियों से संबंधित प्रमुख तथ्य क्या हैं?

- **परिचय:**
 - भारत में, 'आदवासी' शब्द का इस्तेमाल कई **जातीय और आदवासी लोगों** को परिभाषित करने के लिये एक व्यापक शब्द के रूप में किया जाता है, जिनमें भारत की **आदवासी आबादी** माना जाता है।
 - **वर्ष 2011 की जनगणना** के अनुसार ये पैंतक समूह **भारत की सामान्य आबादी के लगभग 8.6% भाग** का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो समग्र रूप से लगभग 104 मिलियन लोगों के बराबर है।
- **आवश्यक विशेषताएँ: [लोक समिति \(1965\)](#) के अनुसार, आदवासियों की आवश्यक विशेषताएँ हैं:**
 - आदिम लक्षणों का संकेत
 - वशिष्ट संस्कृति
 - बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ संपर्क में संकोच
 - भौगोलिक अलगाव
 - पछिड़ापन
- भारत में **अनुसूचित जनजातियाँ (ST)** विभिन्न आदवासी समुदायों या जनजातियों को संदर्भित करती हैं जिनमें सरकार द्वारा विशेष सुरक्षा एवं सहायता हेतु मान्यता प्राप्त है।
- **भारतीय संविधान द्वारा अनुसूचित जनजातियों के लिये प्रदत्त बुनियादी सुरक्षा उपाय:**
 - **शैक्षिक एवं सांस्कृतिक सुरक्षा:**
 - **अनुच्छेद 15(4):** अन्य पछिड़े वर्गों (इसमें अनुसूचित जनजातियाँ शामिल हैं) की उन्नतिके लिये विशेष प्रावधान
 - **अनुच्छेद 29:** अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा (इसमें अनुसूचित जनजातियाँ शामिल हैं)
 - **अनुच्छेद 46:** राज्य विशेष ध्यान के साथ **व्यक्तियों के कमज़ोर वर्गों, विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित**

जनजातियों के शैक्षिक एवं आर्थिक हितों को बढ़ावा देगा तथा उन्हें सामाजिक अन्याय व सभी प्रकार के शोषण से बचाएगा।

- **अनुच्छेद 350:** वशिष्ट भाषा, लपि या संस्कृत को संरक्षित करने का अधिकार।
- **राजनीतिक सुरक्षा:**
 - **अनुच्छेद 330:** लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिये सीटों का आरक्षण,
 - **अनुच्छेद 332:** राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जनजातियों के लिये सीटों का आरक्षण
 - **अनुच्छेद 243:** पंचायतों में सीटों का आरक्षण।
- **प्रशासनिक सुरक्षा:** अनुच्छेद 275 में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को विशेष नधिप्रदान करने का प्रावधान है।

वशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह

- जनजातीय समूहों में पीवीटीजी अधिक असुरक्षित हैं।
- वर्ष 1973 में, **डेबर आयोग** ने आदिम जनजातीय समूहों (PTG) को एक अलग श्रेणी के रूप में बनाया, जो जनजातीय समूहों में कम वकिसति हैं।
- वर्ष 2006 में, भारत सरकार ने PTG का नाम बदलकर **PVTG** कर दिया। इस संदर्भ में, वर्ष 1975 में, भारत सरकार ने सबसे कमज़ोर जनजातीय समूहों को PVTG नामक एक अलग श्रेणी के रूप में पहचानने की पहल की और 52 ऐसे समूहों की घोषणा की, जबकि वर्ष 1993 में अतिरिक्त 23 समूहों को श्रेणी में जोड़ा गया, जिससे कुल 75 अनुसूचित जनजातियों में से 75 PVTG हो गए।
- **PVTG की कुछ बुनियादी वशेषताएँ हैं** - वे ज्यादातर समरूप हैं, जनिकी आबादी कम है, वे अपेक्षाकृत शारीरिक रूप से अलग-थलग हैं, लिखित भाषा का अभाव है, अपेक्षाकृत सरल तकनीक है और बदलाव की दर धीमी है आदी।
- सूचीबद्ध 75 PVTG में सबसे अधिक संख्या ओडिशा में पाई जाती है।

जनजातीय समुदाय परियोजना के छात्रों के लिये सेमीकंडक्टर नरिमाण और वशेषता प्रशिक्षण क्या है?

- **परिचय:** परियोजना का उद्देश्य जनजातीय छात्रों को **उन्नत तकनीकी कौशल** को बढ़ावा देने हेतु वशेष प्रशिक्षण प्रदान करना है।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य तीन वर्षों में जनजातीय छात्रों को **सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में 2100 NSQF- प्रामाणित स्तर 6.0 और 6.5 प्रशिक्षण** प्रदान करना है।
 - **राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा (NSQF) स्तर 6.0** आम तौर पर स्नातक की डिग्री या समकक्ष के अनुरूप होता है और NSQF स्तर 6.5 अकसर स्नातक की डिग्री से परे एक वशेष कौशल सेट या उन्नत डिप्लोमा का प्रतिनिधित्व करता है।
- **प्रशिक्षण संरचना:** 1,500 जनजातीय छात्रों को **सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी** में बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसमें 600 छात्रों को उन्नत प्रशिक्षण के लिये चुना जाएगा। पात्र आवेदकों के पास **इंजीनियरिंग वशेष** में डिग्री होनी चाहिये।

अनुसूचित जनजातियों के लिये सरकारी पहल

- [PM जनजाति आदविसी न्याय महाअभियान \(PM JANMAN\)](#)
- [PM PVTG मशिन](#)
- [TRIFED](#)
- [आदविसी स्कूलों का डिजिटल रूपांतरण](#)
- [प्रधानमंत्री वन धन योजना](#)
- [एकलवय मॉडल आवासीय वदियालय](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत में वशिष्टत: असुरक्षित जनजातीय समूहों/परटकुलरली वलनरेबल ट्राइबल गरुप्स (PVTGs) के संदर्भ में, नमिनलिखित कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. PVTGs देश के 18 राज्यों तथा एक संघ राज्यक्षेत्र में नविस करते हैं।
2. स्थरि या कम होती जनसंख्या, PVTG स्थतिके नरिधारण के मानदंडों में से एक है।
3. देश में अब तक 95 PVTGs आधिकारिक रूप से अधिसूचित हैं।
4. PVTGs की सूची में ईरूलार और कोंडा रेड्डी जनजातियों शामिल की गई हैं।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 2, 3 और 4
- (c) 1, 2 और 4
- (d) 1, 3 और 4

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारत के इतिहास के संदर्भ में, 'ऊलगुलान' अथवा महान उपद्रव नमिनलखिति में से कसि घटना का वविरण था? (2020)

- (a) 1857 के वदिरोह का
- (b) 1921 के मापला वदिरोह का
- (c) 1859-60 के नील वदिरोह का
- (d) 1899-1900 के बरिसा मुंडा वदिरोह का

उत्तर: (d)

प्रश्न. भारत के संबधिन की कसि अनुसूची के अधीन जनजातीय भूमिका, खनन के लयि नजि पक्षकारों को अंतरण अकृत और शून्य घोषति कयि जा सकता है? (2019)

- (a) तीसरी अनुसूची
- (b) पाँचवी अनुसूची
- (c) नौवी अनुसूची
- (d) बारहवी अनुसूची

उत्तर: (b)

प्रश्न. अनुसूचति जनजात एवं अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधनियम, 2006 के अधीन, व्यक्तगित या सामुदायिक वन अधिकारों अथवा दोनों की प्रकृत एवं वसितार के नरिधारण की प्रक्रयिा को प्रारंभ करने के लयि कौन प्राधिकारी होगा? (2013)

- (a) राज्य वन वभिग
- (b) जला कलक्टर/उपायुक्त
- (c) तहसीलदार/खंड वकिसा अधिकारी/मंडल राजस्व अधिकारी
- (d) ग्रामसभा

उत्तर: (d)

प्रश्न. पंचायत (अनुसूचति क्षेत्रों में वसितार) अधनियम, 1996 के अंतरगत समावषिट क्षेत्रों में ग्रामसभा की क्या भूमिका/शक्त है? (2012)

1. ग्रामसभा के पास अनुसूचति क्षेत्रों में भूमिका हस्तांतरण रोकने की शक्त होती है।
2. ग्रामसभा के पास लघु वनोपज का स्वामतिव होता है।
3. अनुसूचति क्षेत्रों में कसि भी खनजि के लयि खनन का पट्टा अथवा पूर्वेक्षण लाइसेंस प्रदान करने हेतु ग्रामसभा की अनुशंसा आवश्यक है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. भारतीय वन अधनियम, 1927 में हाल में हुए संशोधन के अनुसार, वन नविसयिों को वनक्षेत्रों में उगने वाले बाँस को काट गरिने का अधिकार है।
2. अनुसूचति जनजात एवं अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधनियम, 2006 के अनुसार, बाँस एक गौण वनोपज है।
3. अनुसूचति जनजात एवं अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधनियम, 2006, वन नविसयिों को गौण वनोपज के स्वामतिव की अनुमति देता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-day-of-indigenous-peoples>

